

DPN 5400

Title: शिव भुजङ्ग

ŚIVA BHUJAŅGA

Run. No. 6091

Cat. No. 161

Micro. No.

Subject स्तोत्र Hymn

Religion: Hindu / Bauddha

Language: Skt. / New. / Nep. / Skt. - New. / Maith. - New. / New. - Nep. /

Size in cms. 7.5 x 9.0

Folios 3⁽¹⁻³⁾

Lines (in a page) 5

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator श्री Rāona / Rāvan

Scribe / donor

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Script: New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. :

Material: palmleaf / paper / thyasaphu / yellow

Condition: fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon:

↓
श्री गणेशाय नमः॥ ॥ जप कटाहस भ्रमभ्रम मनिलिम्प निर्भरि बिलो-
ल विन्नि वल्लरि विरज मान मुद्धनि॥

P.T.O.

CENTIMETERS

5



0

5

10

15

20

CENTIMETERS

15

10

5

0

5

10

15

20

CENTIMETERS

१ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॥ ऊपाकणकसुखमसुखमनिलिम्पनिर्भवि.
 विलालविशिवल्लजीविजाकुमानमूर्धनि ॥ धगधगकलल्ललागपा
 रुपावककिशालचन्द्राक्षलजनिपुनिकुनमन ॥ १ ॥ धजाधज
 दुनदिनीविजासवधवधूजसूजपुजगंमंननिषमादमानमाना
 रुपाकणकधूजनीनिर्दुदुजापदि. कविचिदंयउमनाविना

15

२ नरनिर्मम ॥ ६ ॥ नविनमघमधुलीनिगुद्वद्वधमसुवकुक्षिनिशी
 थिमीनमपुवंधवंकेश्वर ॥ निलिम्पनिर्जलिद्वनस्तनातिकृत्तसिंधू
 कलानिष्पन्नवधूजडियजगद्वजंधर ॥ ७ ॥ पुरुल्लनीलपंकजं पुप
 कंकालिमच्छादयति ॥ विदम्बकंथकंदलीग्रविप्रबंधकधर ॥ स्मरविदेप
 नकुट्टंदहवकुट्टंदमखकुट्टंद ॥ जगत्कुट्टंदवकुट्टंदनमनककुट्टंदहकु

10

5

८ ॥ अखर्वसवमंगलाकनाकदंवमंजुली ॥ सपप्रवाहमाधुजीविनी
 हनामधुवेन ॥ स्मरानकंपूनाककंदवाकुकंमखाकुकं गजानकाध
 काकुकानकानकाकुकंकंद ॥ ९ ॥ जयत्यद्वयविजयमज्जलजगसगम ॥ स्वस
 ङ्गनिर्गमकुम्भकमालालहर्ववाने ॥ क्षिमिक्षिमिक्षिमधुनम्भ
 दंगतुंगमगल ॥ धनिकुम्भवर्धनप्रवन्दगादवधिव ॥ १० ॥

0

5

10

15

20

CENTIMETERS

त्रि३

३ दृष्टद्विचिगुगल्यया हजगंमो किकथया ॥ गृध्रप्रविन्दुवक्षुषोपजाम
हीमहिन्दुयाः समप्रकिनकजगदामिवहजामरु ॥ ११ ॥ कजगिजि
न्यनिर्मेजीवूजकागलवर्धः विमूकदुर्ममिसदाभिवस्त्वलीवहं ॥ वि
लाललाललालवनाललामकालगकः भिवनिमरुमरुचपंकजसुखी
रवाम्यहं ॥ १२ ॥ ॐ नीयीजाजलविपचिनीभिवहजगसमाफ ॥ ॥

१६१ ॥ शिवभुजोङ्ग १६१